INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: 8th (3rd Lang)	Department: Hindi	Date :09/01/24
Q.-Ans. & Grammar	**Topic:** मातृभाषा की पहचान	**Note: Pl. Check with Class Work**

अति लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न-1- राजा कृष्णदेव राय को किस बात पर गर्व था?

उत्तर- राजा कृष्णदेव राय को अपने दरबारियों की योग्यता और विद्वता पर गर्व था।

प्रश्न-2- राजा कृष्णदेव राय ने प्रश्नवाचक मुद्रा में किसकी तरफ देखा?

उत्तर- राजा कृष्णदेव राय ने प्रश्नवाचक मुद्रा में तेनालीरामन की तरफ देखा।

प्रश्न-3- विद्वान ब्राह्मण क्या कर रहे थे ?

उत्तर- विद्वान ब्राह्मण विश्राम कर रहे थे।

प्रश्न-4- ब्राह्मण की मातृभाषा का पता लगाने के लिए तेनाली रामन ने कितने दिन का समय माँगा?

उत्तर- ब्राह्मण की मातृभाषा का पता लगाने के लिए तेनालीरामन ने तीन दिन का समय माँगा।

लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न-5- अतिथि ब्राह्मण के मुख से तेनाली रामन की प्रशंसा सुनकर राजा ने क्या किया?

उत्तर- अतिथि ब्राह्मण के मुख से तेनाली रामन की प्रशंसा सुनकर राजा ने अपने गले की मोतियों की माला तेनालीरामन को पहना दी।

प्रश्न-6- ब्राह्मण तेनालीरामन को गले लगाते हुए क्या बोले?

उत्तर- ब्राह्मण तेनालीरामन को गले लगाते हुए बोले- "आप धन्य है तेनाली रामन! आप वास्तव में कृष्णदेव राय के दरबार के बेशकीमती रत्न हैं।"

प्रश्न-7- ब्राह्मण ने कृष्णदेव राय से क्या बताने का आग्रह किया?

उत्तर- ब्राह्मण ने कृष्णदेव राय से पूछा कि आपके दरबारियों में से कोई बता सकता है कि मेरी मातृभाषा कौन सी है?

प्रश्न-8-दरबारी, ब्राह्मण की मातृभाषा की पहचान क्यों नहीं कर पाए?

उत्तर- ब्राह्मण मराठी, कोंकणी, तमिल, तेलगू, कन्नड़, मलयालम सभी भाषाओं में बोलते थे, इसलिए दरबारी ब्राह्मण की मातृभाषा की पहचान नहीं कर पाए।

दीर्घ लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न9- तेनालीरामन ने ब्राह्मण की मातृभाषा का पता कैसे लगाया?

उत्तर- तेनालीराम ने पैर दबाने के बहाने ब्राह्मण के पाँव में काँटा चुभा दिया। ब्राह्मण दर्द से चीखे और तमिल भाषा में अम्मा-अम्मा पुकारने लगे। इस घटना से उन्होंने पता लगाया कि उनकी मातृभाषा तमिल है।

प्रश्न10- तेनालीरामन ने ब्राह्मण से किस बात के लिए क्षमा माँगी?

उत्तर- तेनालीरामन ने ब्राह्मण के पैर में काँटा चुभा दिया। वे दर्द के कारण अम्मा-अम्मा पुकारने लगे। तेनालीरामन ने काँटा चुभा कर जो अपराध किया था उसके लिए उन्होंने क्षमा माँगी ।

भाववाचक संज्ञा

परिभाषा: जो शब्द किसी चीज़ या पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं।

जैसे- बचपन, बुढ़ापा, मिठास, चढ़ाई, मानवता, आदि।

प्रश्न- दिए गए शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाइए

शब्द	**भाववाचक संज्ञा**
1- मित्र	मित्रता
2- बच्चा	बचपन
3- शत्रु	शत्रुता
4- पढ़ना	पढ़ाई
5- रोना	रुलाई
6- लड़ना	लड़ाई
7- चलना	चाल
8- मानव	मानवता
9- पराया	परायापन
10-अपना	अपनापन
11-निज	निजत्व
12-अच्छा	अच्छाई
13-सुंदर	सुंदरता
14-शीतल	शीतलता
15-सफल	सफलता

सर्वनाम (Pronoun)

परिभाषा-जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।

सरल शब्दों में- सर्व (सब) नामों (संज्ञाओं) के बदले जो शब्द आते हैं , उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।

सर्वनाम के उदहारण - मैं, तू, तुम, वह, आप, कोई, यह, ये, वे, हम, कुछ, कौन, क्या, जो, सो, उसका इत्यादि ।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छः भेद होते हैं -

(1)पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal pronoun)

(2)निश्चयवाचक सर्वनाम (Demonstrative pronoun)

(3)अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite pronoun)

(4)संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun)

(5)प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)

(6)निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun)

प्रश्न- दिए गए वाक्यों में से सर्वनाम छाँटकर अलग कीजिए|

1-मैं स्कूल जाऊँगा।
2-हम मतदान नहीं करेंगे।
3-यह कविता मैंने लिखी है।
4-बारिश में हमारी पुस्तकें भीग गई।
5-मैंने उसे धोखा नहीं दिया।
6-तुम्हारे पिता जी क्या काम करते हैं ?
7-उन्होंने कमर कस ली है।
8-वह कल विद्यालय नहीं आया था।
9-उन्हें रोको मत, जाने दो।
10- उसका छोटा भाई आया है।
11-किशोर बाज़ार गया था, वह लौट आया है।
12-पानी में कुछ गिर गया है।
13-टोकरी में क्या रखा है ?
14-बाहर कौन खड़ा है?
15-वे कल दफ़्तर नहीं गए थे।

प्रश्न- नीचे लिखे वाक्यों के खाली स्थानों में कोष्ठक में दिए गए सर्वनामों के उचित रूप भरिए |

1. …..... लड़के का व्यवहार बहुत अच्छा नहीं है। (वह)
2. क्या मैं …..... नाम और पता जान सकता हूँ? (आप)
3. …..... आपका नमक खाया है, गद्दारी कैसे करूँगा। (मैं)
4. ..... लगता है कि वह स्टेशन पर ही ठहर गया है। (मैं)
5. ……. इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा; बस, मैं गया और आया। (आप)
6. वही ….... बहका रहा होगा । (तुम)
7. इस संकट की घड़ी में ..... साथ होना चाहिए। (मैं)
8. परीक्षा से पहले …..... ठीक से तैयारी कर लेनी चाहिए। (तुम)
9. …..... वकील का क्या कहना है? (तुम)
10. जोश की बात सुनते ही ..... भुजा फड़कने लगी। (वह)
11. …..... कह देना कि अब …..... दादा जी नहीं रहे। (वह)
12. आज मैं …..... घर ही खाऊँगा। (आप)

कारक (Case)

परिभाषा- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका (संज्ञा या सर्वनाम का) संबंध सूचित हो, उसे (उस रूप को) 'कारक' कहते हैं।

दूसरे शब्दों में- संज्ञा अथवा सर्वनाम को क्रिया से जोड़ने वाले चिह्न अथवा परसर्ग ही कारक कहलाते हैं।

जैसे- "रामचंद्र जी ने खारे जल के समुद्र पर बंदरों से पुल बँधवा दिया।"

कारक के भेद :

कारक के मुख्यतः आठ भेद होते हैं-

(कारक - परसर्ग/ विभक्ति)

1. कर्ता कारक - ने
2. कर्म कारक - को
3. करण कारक - से, द्वारा (साधन या माध्यम)
4. सम्प्रदान कारक - के लिए
5. अपादान कारक - से (अलग होने का बोध)
6. संबंध कारक - का-के-की, रा-रे-री
7. अधिकरण कारक - में, पर
8. संबोधन कारक - हे !, अरे !

प्रश्न- दिए गए वाक्यों में से कारक छाँटकर अलग कीजिए|

1- मोहन ..... नारद ..... देखकर मुस्करा दिया।
2- बच्चे गाड़ियों ..... खेल रहे हैं।
3- पिताजी बच्चों ..... मिठाई लाए।
4- साँप बिल ..... बाहर निकला।
5- बच्चे ..... सिर दुःख रहा है।
6 - मोहन सोहन ..... घर गया |
7- यह सुनील ..... किताब है।
8- फ्रिज ..... आम रखा हुआ है।
9 - किताब मेज ..... रखी है |
10- .....! शोर मत करो।

प्रश्न- रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न भरिए |

1- रामू ----- अपने बच्चों ----- मिठाई खिलाई ।

2- पत्र ----- कलम ----- लिखा गया है।

3- माँ अपने बच्चे ------- दूध लेकर आई।

4- पृथ्वी सूर्य ------ बहुत दूर है।

5- आसमान ------ बिजली गिरती है।

6- यह सुरेश ------- बहन है।

7- यह नरेश ------ भाई है।

8- राहुल ------ पिता जी दिल्ली गए हैं|

9- ---------- ! बहुत बुरा हुआ।

-----धन्यवाद-----